is question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

No. of Question Paper : **6091**

ique Paper Code : **205502** **G**

me of the Paper : **Aadhunik Kavita-2**

आधुनिक कविता-2

me of the Course : **B.A. (H) Hindi**

mester : **V**

य : 3 घंटे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

निम्नलिखित काव्यांश आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं से लिए गए हैं । सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 7,8

(क) वहीं-वहीं प्रत्येक भरे प्याला जीवन का,
वहीं-वहीं नैवेद्य चढ़ा
अपने सुन्दर आनन्द-निमिष का,
तेरा हो,
हे विगतागत के, वर्तमान के, पद्मकोश !
हे महाबुद्ध !

अथवा

देश हैं हम
महज राजधानी नहीं ।
हम नगर थे कभी
खंडहर हो गये,

P.T.O.

जनपदों में बिखर
गांव घर हो गये,
हम जमीं पर लिखे
आसमां के तले
एक इतिहास जीवित,
कहानी नहीं ।

अथवा

अंत हर निर्माण का क्या नाश में है;
सोचने वाला सदा
सिद्धार्थ की ही नियति का है ?
छोड़ना ही चरम परिणति क्या
हमारे जोड़ने की ?
और परिणति शून्य ही क्या
है नहीं हर छोड़ने की ?
शून्य से उत्पन्न यह संसार
सार्थक है सदा क्या शून्यता में ही समाकर ?
शून्यता से अलग
या अतिरिक्त जीवन-मय दिशा
क्या नहीं कोई कहीं इसकी ?

(ख) दाने आए घर के अंदर कई दिनों के बाद
धुआँ उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद
चमक उठी घर भर की आँखें कई दिनों के बाद
कौए ने खुजलाई पाँखें कई दिनों के बाद ।

अथवा

हिन्दी है मालिक की
तब आज़ादी के लिए लड़ने की भाषा फिर क्या होगी ?
हिन्दी की माँग
अब दलालों की अपने दास-मालिकों से
एक माँग है
बेहतर बर्ताव की
अधिकार की नहीं

अथवा

जबकि मैं जानता हूँ कि 'इन्कार से भरी हुई एक चीख'
और 'एक समझदार चुप'
दोनों का मतलब एक है–
भविष्य गढ़ने में, 'चुप' और 'चीख'
अपनी-अपनी जगह एक ही किस्म से
अपना-अपना फ़र्ज़ अदा करते हैं ।

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** का विश्लेषणात्मक उत्तर दीजिए : 3×15=45

(क) 'कितनी नावों में कितनी बार' कविता के आधार पर अज्ञेय की प्रेमानुभूति उद्घाटित कीजिए ।

अथवा

नागार्जुन की कविता 'कालिदास' की मूल संवेदना पर विचार कीजिए ।

(ख) 'दर्पण हैं हम' कविता में नवगीतकार वीरेन्द्र मिश्र ने क्या भाव व्यक्त किए हैं ? स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'हिन्दी-गज़ल परंपरा' में दुष्यंत कुमार का स्थान निर्धारित कीजिए ।

(ग) 'मोचीराम' कविता के आधार पर धूमिल के अभिव्यंजना कौशल पर प्रकाश डालिए

अथवा

'अरे अब ऐसी कविता लिखो' कविता के आधार पर रघुवीर सहाय की रचनाधर्मि सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** का उत्तर दीजिए :

(क) अज्ञेय की 'हिरोशिमा' कविता के रचना-कौशल पर विचार कीजिए ।

अथवा

'बहुत दिनों के बाद' कविता के आधार पर नागार्जुन की काव्यभाषा पर प्रका डालिए ।

अथवा

भवानी प्रसाद मिश्र की 'कालजयी' कविता की रचनात्मक प्रासंगिकता अभिव्य कीजिए ।

(ख) 'मन का आकाश उड़ा जा रहा' गीत के माध्यम से शंभुनाथ सिंह की लोक-भाषा अ लोक-धुन पर विचार कीजिए ।

अथवा

पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं के आधार पर रघुवीर सहाय की सामाजिक चेतना क मूल्यांकन कीजिए ।

अथवा

केदारनाथ सिंह की कविता 'पानी की प्रार्थना' की भाषा पर प्रकाश डालिए ।